(ग) 1993-94 और 30 जून 1994 तक गलत मीटर रखने के आरोपों के लिए कितने आटोरिक्शा चालकों को पकड़ा गया है; और

(घ) उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) जी, नहीं।

(ख) जी, हां।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान और 30 जून, 1994 तक क्रमशः 3095 और 633 आटो रिक्शा ड्राइवरों को गलत मीटर रखने के आरोपों पर पकड़ा गया था।

(घ) दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा मोटर वाहन अधिनियम/नियमावली के उपबंधों के अधीन कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

3039. **श्री कैलाश नारायण सारंग: क्या जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत सरकार ने देश में सड़कों के विकास हेतु कोई योजना तैयार की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान मध्य प्रदेश में सड़कों की वह अतिरिक्त लम्बाई क्या है जिसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने का विचार है और किलोमीटर में वह कुल लम्बाई क्या है जिसे मंजूरी दे दी गई है;

(ग) राज्य में उन सड़कों के नाम क्या हैं जिन्हें कि वर्ष 1984 में राष्ट्रीय यातायात समिति द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए जाने की सिफारिश की गई थी और इनमें से उन सड़कों की कुल संख्या कितनी है जिन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जा चुका है; और

(घ) क्या राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई के लक्ष्यों की प्राप्ति न होने के कारण विकास की रफ्तार में कोई रुकावट आएगी?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) भारत सरकार का संबंध मुख्यतः केवल राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित सड़कों से है। राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास एक सतत प्रक्रिया है और सुधारात्मक कार्य, सड़क की हालत, यातायात की सघनता, कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता तथा इस प्रयोजनार्थ उपलब्ध धन आदि को ध्यान में रख कर किए जाते हैं।

(ख) कोई नहीं।

(ग) से (घ) रा०प०नी०स० (राष्ट्रीय परिवहन नीति समिति) ने मई, 1980 में प्रस्तुत अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ, गये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित किए जाने के लिए मध्य प्रदेश की नौ सड़कों की सिफारिश की थी। जिनका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)। इनमें से केवल दो सड़कों की राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में घोषित किया गया है और शेष सड़कों को बजटगत कठिनाइयों के कारण नये राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में घोषित नहीं किया जा सका। जिसके फलस्वरूप विकास की प्रगति वांछित स्तर तक नहीं हो पाती।

विवरण

राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा

क्रम सं०	मार्ग का नाम	लम्बाई (कि०मी०)
1.	2	3
1.	ग्वालियर-झांसी-खजुराहें-रीवा	460
2.	नागपुर-ओबेदुल्लाहगंज (भोपाल तक)	350
3.	जबलपुर-शहडोल-अम्बिकापुर-गुमला	520
4.	रायपुर-वाराणसी	620
5.	बेरहामपुर-रायपुर	550
6.	अहमदाबाद-इन्दौर-देवात-भोपाल	510
7	जयपुर-कोटा-बिआओरा (भोपाल तक)	450
8.	राजमुंदरी-जगदलपुर	340
9.	निजामाबाद-जगदलपुर	460

Enhancing the Target of Inland Waterways

3040. SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Inland Waterways Authority of India has not

made any progress towards enhancing the targets set for the Eighth Plan;

(b) how much work has been done so far in the Eighth Plan by IWAI;

(c) reasons for lagging behind in meeting targets;

(d) whether any projects in Andhra Pradesh has been neglected due to slow implementation of Eighth Plan objectives; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTER): (a) The Inland Waterways Authority of India is making progress towards achievement of the targets set for the Eighth Plan, based on the Annual Plan allocations.

(b) The work done so far in the Eighth Plan by the IWAI is indicated below:—

i) The river development works on National Water way No. 1 (the Ganga) and National Waterway No. 2 (the Brahmaputra) have been carried out for safe nevigation of I.W.T. vessels.

ii) Techno-economic studies were under-taken in various river and canal systems for further development of inland waterways network in the country.

iii) Construction of a terminal at Patna (Gaighat) is likely to commence shortly.

iv) The work of providing navigational aids from Bangladesh Border to Guwahati is likely to be taken up shortly. Thereafter, similar work in National Waterway No. 1 (the Ganga) will be undertaken.

v) For construction of a terminal at Calcutta, the land along with the water front will be acquired from the Calcutta Port Trust shortly.

vi) Dredging has been carried out in Champakara and Udyogmandal canals so as to develop 2 metre depth and such work is in progress in the Cochin-Kollam stretch to create single lane channel for facilitating immediate movement of vessels.

(c) The reasons for lagging behind, to some extent, in meeting the targets were, non-availability of adequate staff strength and lower allocation of funds, particularly in 1993-94.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Basic amenities to passengers in ISBT

3041. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that Inter-State Bus Terminal (ISBT), in Delhi is congested and unclean and lack basic amenities like retiring rooms etc. and nearly 2,900 buses arrive or depart daily; and

(b) if so, the steps Government propose to take improve the bus stand and provide amenities to passengers?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Government of National Capital Territory of Delhi have informed that the Inter-State Bus Terminus (ISBT), Kashmere Gate, Delhi was originally designed for 500 buses and for 60,000 passengers. At present, nearly 2,800 buses are playing daily for different destinations catering to the need of six lakh commuters approximately. There is a full fledged Division at ISBT, Kashmere Gate, Delhi to maintain its cleanliness and all efforts are made to maintain the required standards of cleanliness. A proposal to provide retiring rooms and dormitory facilities to the commuters at ISBT, Kashmere Gate, Delhi was considered in detail in the year 1992 and it was not found feasible due to